# पंच प्रण शपथ

हम सुसंस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण तथा देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु निम्न पंच प्रण लेते हैं :

- हम शपथ लेते हैं कि मनसा, वाचा, कर्मणा से देश को विकसित करने हेतु सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील रहेगें।

- हम प्रतिज्ञा करते है कि दासता एवं औपनिवेशिक मांसिकता के किसी भी प्रतीक को हम अपने आचार एवं व्यवहार से दूर रखेगें।

- हमें गर्व है अपने देश की अनमोल विरासत एवं सार्वभौम परम्परा पर और हम निरंतर गौरवान्वित होकर इस मनोभाव को अंगीकार करेगें।

- हम प्रतिज्ञा करते है कि देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण बनाये रखने हेतु सदैव एवं अनवरत प्रयत्नशील होकर और देश को विघनकारी तत्वों से सुरक्षित रखने हेतु अहर्निश प्रयासरत् रहेगें।

- एक जागरूक नागरिक होने के नाते हम अपने उत्तरदायित्व एवं कर्त्तव्यबोध के प्रति जागरूक होकर समाज एवं देश के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेगें।

**जय हिन्द ! जय भारत !!**

# Panch Pran Pledge

**I take the following five vows to ensure personal growth and national development:**

**I vow- to commit my efforts towards the development of the country by word, intent and action.**

**I vow- to be free from the vestiges of colonial mindset and rid myself of slave mentality.**

**I vow- to be proud of the rich heritage of the country, and hold high the nation's eclectic values of thousands of years.**

**I vow- to relentlessly strive to keep the unity and integrity of the country intact and keep the country safe from disruptive elements.**

**I vow- to educate myself on my duties as a citizen and carry forward this sense of duty in conduct and actions.**

**Jai Hind!! Jai Bharat!!**